(vii) Government has set up an Empowered Committee to examine and assist specific Research and Development Projects to improve technology for steel making and enhance the quality of Indian Steel.

इस्पात उत्पादन की लागत

742. श्री गोविन्दराम मिरीः क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या भारत में विभिन्न प्रकार के इस्पात की उत्पादन लागत अन्य देशों की तुलना में सर्वाधिक है;

(ख) यदि हां, तो देश में इस्पात की औसत उत्पादन लागत कितनी है और यह औसत लागत विश्व की औसत उत्पादन लागत से कितना अधिक है;

(ग) क्या सरकारी और निजी इस्पात उत्पादक इस उत्पादन लागत को कम करने के लिए कदम उठाने पर विचार कर रहे हैं;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) उत्पादन लागत को किस हद तक कम किये जाने की संभावना है?

इस्पात तथा खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (ख) इस्पात की उत्पादन लागत मुख्यतः लौह अयस्क, कोयला, इस्पात स्क्रैप और ऊर्जा जैसे आदानों के मूल्यों, भाड़े तथा श्रम लागत एवं वित्तीय प्रभारों पर निर्भर करती है। मार्च, 1997 में प्रकाशित वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, 1997 में सेल के बोकारो इस्पात संयंत्र में विक्रेय इस्पात (शीत बेल्लित) की उत्पादन लागत अमरीका, जापान, जर्मनी, फ्रांस, दक्षिण कोरिया आदि जैसे अन्य शीर्ष राष्ट्रों में उत्पादित इस्पात की उत्पादन लागत की तुलना में कम थी। इसका ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है (नीचे देखिए)

(ग) से (ङ) जी हां। सरकारी और निजी इस्पात उत्पादकों ने उत्पादन लागत को कम करने के लिए उपाय किए हैं। उत्पादन लागत कम करने एवं निष्पादन बढ़ाने के लिए सेल द्वारा उठाए गए कदमों में निम्नलिखित शामिल हैं:—

— अपने संयंत्रों का आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीय उन्नयन।

— बाजार आवश्यकताओं के अनुसार गुणवत्ता, उत्पाद-मिश्र और उत्पादन बढ़ाना।

— प्रौद्योगिक-आर्थिक घटकों में सुधार करना जैसे कोकदर, ऊर्जा खपत मेटिलिक आदान में कमी, उत्पादन में वृद्धि आदि।

— प्रभावी रख-रखाव के जरिए उपकरणों की उपलब्धता में सुधार लाना।

— सख्त नियंत्रण और उत्पादन लागत में कमी।

सेल ने 1997-98 के दौरान विक्रेय इस्पात की नियंत्रणीय उत्पादन लागत को लगभग 7-8% तक कम करने की योजना बनायी थी।

विवरण

मार्च, 1997 की स्थिति के अनुसार विश्व लागत के उतार-चढ़ाव के संदर्भ में तुलनात्मक आंकड़े

(डालर प्रति टन)

मद	अमरीका	जापान	जर्मनी	फ्रांस	द० कोरिया	ब्राजील	सी०आई०एस०	सेल बी०एस०एल०
प्रमुख सामग्री/टन लदान कोकवर कोयला	32	34	39	38	38	50	36	61
लौह अयस्क/सिंटर/पैल्लेट्स	61	60	69	67	62	50	71	38
स्क्रैप (ऋण पूर्व)	48	45	46	46	51	48	28	42
I संपूर्ण कच्ची सामग्रियों की लागत	141	139	154	151	149	148	135	131
II अन्य सभी सामग्रियों की लागत	177	184	177	174	163	182	203	148

(डालर प्रति टन)

मद	अमरीका	जापान	जर्मनी	फ्रांस	द० कोरिया	ब्राजील	सी०आई०एस०	सेल बी०एस०एल०
श्रम लागत								
रोजगार लागत प्रति घंटा	37	35	38	33	18	11.25	2.5	1.5
एम०एच० प्रति टन	4.2	4.2	4.4	4.3	4.9	6.3	26.6	32
III कुल श्रम लागत	155	145	166	142	39	71	66	48
IV कुल प्रचालन लागत (I+II+III)	472	468	497	467	402	401	404	327
वित्तीय व्यय								
कुल ब्याज व्यय	28	55	50	51	65	60	15	34
व्याज खर्च	10	27	10	17	12	24	12	31
V कुल वित्तीय खर्च	38	82	60	68	77	84	27	65
कर पूर्व लागत (IV+V)	510	550	557	535	479	485	431	392

टिप्पणी: उपर्युक्त आंकड़े सेल्फ इन्फ्रा (सील वेरियता) के लिए हैं।

स्रोत: वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स, मार्च, 97

Bleak State of Affairs of Steel Industry

743. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the entire industry involving both the public and private sector is in a very bleak state of affairs;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether any assessment has been made by Government about the reasons thereof; and

(d) if so, the details of the reasons and whether any corrective action has been contemplated to rectify the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI RAMESH BAIS): (a) to (d) There has been a slowdown in the growth of production and consumption of finished steel both in the public and private sector in the last one year. Several factors have contributed to the present slow down of the steel industry. These *inter alia* include:—

(i) Sluggish demand in steel consuming sectors.

(ii) Overall economic slowdown in the country.

(iii) Cost escalations in inputs materials for steel industry.

(iv) Continuous increase in excise duty on steel.

(v) Dumping of finished steel from CIS and other countries.

(vi) Adverse conditions in expert market for steel.

(vii) Decline in domestic and international prices.

Government has taken several steps to help steel industry evercome the present problems. These are:

(a) To boost the demand and consumption of steel, the